

This question paper contains 2 printed page.

Roll No. :
Unique Paper Code : **62137902**
Name of the Paper : **Nationalism in Sanskrit Literature**
Name of the Course : **B.A. (P), Sanskrit, DSE, LOCF**
Semester : **V**
Duration : **3 Hours**
Maximum Marks : **75**

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
1. विभिन्न परिभाषाओं के आधार पर राष्ट्र की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए राष्ट्र के विधायक तत्वों का वर्णन कीजिए।
Explain the concept of nation (Rāṣṭra) based on the various definitions and describe the essential elements of the nation (Rāṣṭra).
 2. भारतवर्ष के नामकरण सम्बन्धी विविध मतों को स्पष्ट कीजिये।
Explain the different views regarding name of 'Bhāratavarṣa'.
 3. भारत राष्ट्र के प्रमुख प्रतीक चिह्नों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्त्व पर लेख लिखिये।
Write an article on the historical and cultural significance of the major Indian national symbols.
 4. भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन को प्रेरित करने में संस्कृत साहित्य की भूमिका पर लघु निबन्ध लिखिये।
Write a short essay on the role of Sanskrit literature in inspiring the Indian independence movement.
 5. राष्ट्रीय आन्दोलन के समय भारतीय सांस्कृतिक गौरव के पुनरुत्थान हेतु किए गए आन्दोलनों व प्रयासों का विवरण दीजिये।
Give details of the movements and efforts made for revival of Indian cultural pride during national movement.

6. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में गाँधीवादी विचारों का संचार करने में पण्डिता क्षमाराव की रचनाओं के योगदान की विवेचना कीजिये।

Discuss the contribution of the works of Pandita Kshmarava in communicating Gandhian Thoughts in the Indian national movement.

munotes.in